बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट और 350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पाना लक्ष्य : हिमांशु माहेश्वरी

कार्यक्रम ● आइटीएम यूनिवर्सिटी में 12वीं इनोवेशन समिट का आयोजन किया गया

आइटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड कामर्स की ओर से 12वीं इनोवेशन समिट का आयोजन किया गया। समिट का विषय 'इंटस्ट्री 6.0 डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इंक्लूसिव ग्रोथ' रखा गया। समिट में मुख्य अतिथि के रूप में हिमांशु माहेश्वरी (आइईएस, ज्वाइंट डायरेक्टर केम टेक रेलवे बोर्ड) उपस्थित रहे। वरिष्ठ मानव संसाधन विषय विशेषज्ञ अपर्णा शर्मा, गौरव चोनकर (एसोसिएट वीपी, सीआईयूएस मुंबई), चिन्मय आठले (एसोसिएट डायरेक्टर डीपइंडेंट पुणे) शामिल हुए।

मुख्य वक्ता हिमांशु माहेश्वरी ने रेलवे के क्षेत्र में बढ़ते हुए तकनीकी के प्रयोग और रेलवे की गुणवत्ता में आए अंतर के विषय में बताया। उन्होंने वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेन के बारे में छात्रों से विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि किस प्रकार तकनीकी की सहायता से भारत में सेमी हाई स्पीड ट्रेन को 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलाना संभव हो सका। उन्होंने जापान की तकनीक व अपनी कवच तकनीक की चर्चा करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य हाई स्पीड बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट और 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार को पाना है। योजना वर्तमान मे अहमदाबाद मुंबई के बीच प्रगति पर है।

आइटीएम विश्वविद्यालय मे आयोजित सेमिनार मे छात्रो को संबोधित करते विषय विशेषज्ञ एवं वक्ता।

मानव समाज के हित में हो आपका नवाचार

आइटीएम यूनिवर्सिटी के प्रो. चांसलर डा. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि वर्तमान में आगे निकलने की होड़ मे कई बार ऐसे प्रयोग किए जाते हैं, जो मानव समाज और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते है। उन्होंने कहा कि कोई भी इनोवेशन इस प्रकार किया जाए, जो मानव समाज के हित मे हो। वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि किस प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस प्रत्येक क्षेत्र मे अपनी महती भूमिका अदा कर रहा है। विकास की दौड़ मे एआई सहायक है। उन्होंने एक विश्वविद्यालय में शोध के विषय मे बताते हुए कहा कि चेट जीपीटी व कुछ व्यक्तियों के बीच लेखन प्रतियोगिता करवाई गई तो विभिन्न मायनों मे चेट जीपीटी ने व्यक्तियों के समूह को हरा दिया। क्योंकि वहा नवीनता की कमी थी। हमें यही उपयोगिता बनाए रखनी है। उन्होंने कहा कि विकास की दौड़ मे बने रहना है तो चीजो को अलग ढंग से प्रस्तुत करना होगा।

कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज में सहायक हो सकता है जेनएआइ: विषय विशेषज्ञ चिन्मय आठले ने स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में तकनीकी के प्रयोग व उपयोगिता के विषय में व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार तकनीकी के प्रयोग के कारण आयुष्मान भारत जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं भारत में सफलतापूर्वक लागू की जा सकी हैं। वक्ता गौरव चोनकर ने जेनएआइ के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जेनएआई के प्रयोग से स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुमान की जगह समाधान की तरफ कदम बढ़ेंगे।

आर्गनाइजेशन कल्चर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है विषय विशेषज्ञ अपर्णा शर्मा ने मानव संसाधन विषय पर अपने अनुभव छात्रों के साथ साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार ग्लोबलाइजेशन के दौर में आर्गनाइजेशन कल्चर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।